सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर संसद के केन्द्रीय कक्ष में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

अभिवादन....

आज संविधान सदन के इस ऐतिहासिक केन्द्रीय कक्ष में “राष्ट्रीय एकता दिवस” के अवसर पर मैं भारत माता के महान पुत्र, जन-मन के नायक,लौह पुरुष एवं आधुनिक अखंड भारत के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल जी को नमन करता हूँ।

आप जिस स्थान पर बैठे हैं वह स्थान हमारी स्वतंत्रता प्राप्ति का और हमारे संविधान निर्माण का साक्षी रहा है। यही वह स्थान है जहां हमारे स्वाधीनता सेनानियों का स्वतंत्र भारत का सपना साकार हुआ था और एक आधुनिक लोकतान्त्रिक राष्ट्र की नींव रखी गई थी।

आज हमारे आधुनिक राष्ट्र के महानायक की जन्मतिथि है। सरदार पटेल का एक विराट व्यक्तित्व था। एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में तथा उसके बाद इस विशाल देश को एकता के सूत्र में बांधने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उनके व्यक्तित्व की दृढ़ता, उनकी संकल्प शक्ति और विजन ने भारतवासियों को एक राष्ट्र और एक संविधान की छत्रछाया में लाना सुनिश्चित किया। उन्होंने मात्र परिवर्तनकारी विचार ही नहीं दिए, बल्कि उन्हें साकार भी कर दिखाया। उनके बारे में जो बात सबसे विशेष थी कि वह जटिल से जटिल समस्या का भी व्यावहारिक हल ढूंढ लेते थे।

सरदार पटेल चुनौतियों का प्रत्यक्ष सामना करते थे। एक स्पष्ट विजन और सोच के साथ वे स्वयं उत्तरदायित्व लेकर आगे बढ़ते थे और युवाओं को भी ऐसा ही करने के लिए प्रोत्साहित करते थे। वास्तव में उन्होंने इन कठिनाइयों को ही अपने सशक्त चरित्र के निर्माण का माध्यम बनाया।

उन्होंने कहा था कि चरित्र निर्माण के दो रास्ते हैः- अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए अपनी शक्ति बढ़ाना, और कठिनाइयों को सहन करना, जिससे साहस और जागरूकता बढ़े। आज

हम सभी के लिए खासकर देश के युवाएं और नौजवानों के लिए उनका जीवन एक मार्गदर्शन और प्रेरणास्रोत है।

मेरे युवा मित्रों, यदि आप उस समय की कल्पना करें तो 75 वर्ष पहले का वह दौर आसान नहीं था। जितना मुश्किल काम भारत के लिए आज़ादी प्राप्त करना था, उतना ही मुश्किल काम हमारे राष्ट्र का एकीकरण था। साढ़े पांच सौ से ज्यादा रियासतों को जोड़कर उन्होंने भारत को आकार दिया।

ऐसे ऐसे रजवाड़े –रियासतें, जिनका आकार एवं स्थिति अलग अलग थी। इतनी विविधता थी कि एक ओर कश्मीर और हैदराबाद जैसे रजवाड़े, जिनका आकार यूरोप के किसी देश के बराबर था, तो दूसरी तरफ छोटी छोटी जागीरें या रियासतें थीं, जिनके अंदर दर्जन भर गांव आते थे। अपने दूरदर्शी और व्यावहारिक दृष्टिकोण से उनका एकीकरण कर "एक भारत श्रेष्ठ भारत" का निर्माण सरदार पटेल ने किया था।

जब दुनिया भारत की विशालता और विविधता को भारत के लिए खतरा मान रही थी, जब दुनिया के कई राजनीतिक दिग्गज ये दावा कर रहे थे कि इतना बड़ा देश लोकतंत्र नहीं रह पाएगा। दुनिया कह रही थी कि भारत बिखर जाएगा। ऐसे समय में सरदार पटेल जैसा नेतृत्व हमें मिला, मैं समझता हूं कि ये हमारा सौभाग्य था।

यह एकता और संगठन की शक्ति को सरदार पटेल ने अच्छी तरह समझा। देश की स्वाधीनता के लिए आंदोलनों में उन्होंने देश के किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं हर वर्ग को एकजुट किया।

आज यदि हम विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक बनने के मार्ग पर अग्रसर हैं और वैश्विक मंचों पर अपनी बात को मजबूती से रख रहे हैं, तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसमें सरदार पटेल, हमारे राष्ट्रनिर्माताओं का और आजादी के हमारे महानायकों का कितना बड़ा योगदान है। उनके कारण ही आज हम इस मंजिल तक पहुंच पाए हैं। उनके कारण ही इन 75 वर्षों में भारत ने उपलब्धियों के अनेक पड़ाव पार किए हैं।

आज हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। आज हमारा देश खाद्यान्न, संचार और उत्पादन में, रक्षा, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर है। हमने हर व्यक्ति, महिलाओं, नौजवानों, व्यापारियों, मजदूरों, किसानों हर वर्ग को साथ में लेकर 75 वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा पूरी की है। देश की इस यात्रा में सरदार पटेल की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण हैं।

महान नेता चुनौतियों के दौरान ही महान चरित्र को दिखाता है। सरदार पटेल के लिए यह बात शत प्रतिशत सही साबित होती है। यदि महात्मा गाँधी ने देश की आत्मा का निर्माण किया था, तो सरदार पटेल ने देश की शारीरिक संरचना का निर्माण किया था।

भारत भूमि के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था कि ''भारत की मिट्टी में ऐसा कुछ अनूठा है, जो कई कठिनाइयों के बावजूद यहाँ हमेशा महान विभूतियाँ जन्म लेती रही हैं।" अपने एक जीवन से ही सरदार पटेल ने इस कथन को सत्य सिद्ध कर दिया था।

सरदार पटेल जैसे राष्ट्र नायकों ने सदा ही देश के लिए कर्तव्य भावना का संदेश दिया है। हमारे महापुरुषों का जीवन देश के लिए समर्पित और दायित्व भावना से भरा रहा है। हम भी उनके जीवन की शिक्षाओं को अपनाने का प्रयास करें। हम अपनी उन्नति के साथ देश की प्रगति को जोड़ने का प्रयास करें।

आज आप इस ऐतिहासिक संविधान सदन से एक नई प्रेरणा एक नई ऊर्जा लेकर जाए। सरदार पटेल के जीवन से देश के लिए समर्पण की सीख लेकर आप जाएं और उनके दिखाए आदर्शों पर चलकर अपने जीवन का निर्माण करें।

किसी भी देश और समाज के निर्माण में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राजनीति विज्ञान से लेकर भारत के शिक्षा, व्यापार, समाज, हर क्षेत्र में युवाओं ने भारत को आगे बढ़ाया है।

आज के इस कार्यक्रम में मैं जब आपको सुन रहा था, तो आपसे बहुत प्रभावित हुआ। आप सभी ने सरदार पटेल के जीवन और उनके संघर्ष से जुड़े कई किस्सों को यहां बताया। मुझे खुशी हुई कि आपने हमारे महापुरुषों की जीवनी और इतिहास को अच्छे से पढ़ा है।

मैं हमेशा से इस बात का पक्षधर रहा हूँ कि हमारे युवाओं को देश के महापुरुषों के बारे में पढ़ना चाहिए। उनसे हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। सरदार पटेल जी के जीवन से भी हम देश के लिए

अपनी कर्त्तव्य भावना, देश प्रेम और साहस सीख सकते हैं। सरदार पटेल का जीवन संघर्ष और परिश्रम के बल पर आगे बढ़ने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। हमें उससे सीख लेनी चाहिए।

युवा वर्ग ने देश को नई उम्मीदें दी है, और देश के सपनों को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया है। हमारे युवाओं ने अपने परिश्रम और कौशल से देश को आत्मनिर्भर बनाया है।

इसीलिए आज देश की समृद्धि और संपन्नता को और अधिक बढ़ाने की ज़िम्मेदारी आप युवाओं को उठानी होगी। देश के सामने जो चुनौतियां हैं, उनसे पार पाने के लिए आपको समाधान खोजने होंगे।

सरदार पटेल ने हमें एक मजबूत राष्ट्र दिया है। अब अपने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखना आपका दायित्व है।

सरदार पटेल के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम अपने कर्त्तव्यों को समझें, अपनी एकता को मजबूत करें और अपने समाज और देश को संगठित रखें।

इसी संदेश के साथ मैं आप युवा साथियों को आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अनेक शुभकामनाएं देता हूँ। सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर उन्हें नमन करता हूँ।

———————